भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3299

12 मार्च, 2026 को उत्तर दिये जाने के लिए

विजयवाड़ा में सीवेज और सेप्टेज प्रबंधन

†3299. श्री बालाशौरी वल्लभनेनीः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले में विजयवाड़ा शहर के लिए चालीस करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली सीवेज और सेप्टेज प्रबंधन परियोजना का प्रस्ताव किस तिथि को रखा गया था;

(ख) क्या यह परियोजना अभी भी चल रही है;

(ग) यदि हां, तो विलंब के क्या कारण हैं और उक्त परियोजना के पूरा होने की अपेक्षित समय-सीमा क्या है; और

(घ) क्या परियोजना की लागत या समय में कोई वृद्धि हुई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) से (घ): जल और स्वच्छता राज्य का विषय है। भारत सरकार योजनाबद्ध हस्तक्षेपों/परामर्शिकाओं के माध्यम से राज्यों के प्रयासों में सहायता करती है। यह विभिन्न योजनाओं/मिशनों जैसे अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) और अमृत 2.0 के माध्यम से राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करती है।.

इन मिशनों के अंतर्गत राज्यों को परियोजनाओं के चयन, मूल्यांकन, प्राथमिकता निर्धारण और कार्यान्वयन करने की शक्तियां प्रदान की गई हैं। अमृत के तहत, आंध्र प्रदेश

राज्य सरकार ने एनटीआर जिले के विजयवाड़ा नगर निगम में एक सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन परियोजना की नींव रखी है।

राज्य सरकार ने सूचित किया है कि मई, 2017 में 39.88 करोड़ रुपये की राशि के साथ परियोजना स्वीकृत की गई थी। कोविड-19 महामारी, सत्यनारायणपुरम में संप सह पंप हाउस के निर्माण पर अदालती मामले, गड्डे वेंकटरामय्या नगर में एक अन्य संप सह पंप हाउस पर जनता की आपत्तियों, अतिरिक्त कार्यों के लिए परियोजना के मूल दायरे में बदलाव आदि के कारण काम में देरी हुई। राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, यह परियोजना भौतिक रूप से 98 प्रतिशत पूरी हो चुकी है। 47.60 किलोमीटर सीवर पाइपलाइन नेटवर्क पूरा हो चुका है, एपीआईआईसी कॉलोनी, ऑटो नगर, सत्यनारायणपुरम और गड्डे वेंकटरामय्या नगर में 3 सम्प सह पंप हाउस पूरे हो गए हैं और आगे के शोधन के लिए मौजूदा सीवेज शोधन संयंत्रों में एकत्रित सीवेज के निपटान के लिए शुरू कर दिए गए हैं और 9257 हाउस सर्विस कनेक्शन पूरे हो गए हैं। राज्य ने सूचित किया है कि परियोजना के पूरा होने की संशोधित तिथि मार्च, 2026 के अंत तक है। परियोजना में लागत में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

*****